राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर

IQAC कार्यकारिणी उपवेशन

दिनांक – 06.07.2021

आज दिनांक 06 जुलाई 2021 को दोपहर 1:00 बजे श्रीमान प्राचार्य जी के अध्यक्षता में IQAC कक्ष में आइ.क्यू.ए.सी. का उपवेशन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम विगत उपवेशन में विचारित एवं क्रियान्वित बिंदुओं पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।

तदुपरान्त प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने आज के उपवेशन के एजेंडा को प्रस्तुत किया।

1 यज्ञशाला का निर्माण।

2 गीर्वाणी ऐप का निर्माण।

सर्वप्रथम प्रथम बिंदु पर विचार विमर्श करते हुए वेद एवं ज्योतिष के छात्रों को यज्ञ एवं हवन इत्यादि की प्रायोगिक रूप से जानकारी प्रदान करने, अक्षुण्ण हमारी भारतीय संस्कृति से सभी छात्रों को परिचित करवाने, आध्यात्मिकता से विद्यार्थियों को जोड़े रखने तथा महाविद्यालयीय वातावरण को स्वच्छ एवं सुगंधित बनाए रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में एक यज्ञशाला का निर्माण किया जाना आवश्यक है, जिससे समय-समय पर यज्ञ एवं हवन का सुचारू रूप से सुव्यवस्थित संचालन हो सके।
जिस पर सभी उपस्थित सम्माननीय सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

तदुपरान्त द्वितीय बिन्दु पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करते हुए कोविड-19 जैसी विषमकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के निर्बाध एवं सुव्यवस्थित अध्ययन के संचालन के लिए एक ऐसे ऐप का निर्माण किया जाना आवश्यक है, जिसके माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित विद्यार्थी भी पूर्ण मनोयोग एवं सजगता के साथ अध्ययन कर सकें। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए IQAC समन्वयक प्रो. शालिनी सक्सेना ने अत्यन्त ही हर्ष के साथ अवगत करवाया कि संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार भी इस ऐप का निर्माण करने के लिए तत्पर हैं जिसका नामकरण भी किया गया है - गीर्वाणी एप। इस ऐप के सुव्यवस्थित निर्माण के लिए महाविद्यालय को नोडल के रूप में नियुक्त किया गया है। इस ऐप के लिए ई शिक्षण सामग्री की सुनियोजित उपलब्धता के लिए विषयवार नोडल अधिकारियों का नियुक्त किया जाना आवश्यक होगा। जिससे कक्षावार एवं विषयवार ई शिक्षण सामग्री यथासमय उपलब्ध हो सके।

6/7/21

प्रो. भास्कर शर्मा
अध्यक्ष (प्राचार्य)
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

6.7.21

प्रो. शालिनी सक्सेना
IQAC, समन्वयक
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

IQAC समिति सदस्य

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर

IQAC कार्यकारिणी उपवेशन

दिनांक – 18.09.2021

आज दिनांक 18 सितम्बर 2021 को दोपहर 12:00 बजे श्रीमान प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में IQAC कक्ष में आइ.क्यू.ए.सी. का उपवेशन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम विगत उपवेशन में विचारित एवं क्रियान्वित बिंदुओं पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।
तदुपरान्त प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने आज के उपवेशन के एजेंडा को प्रस्तुत किया।

1 प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कक्षाओं का संचालन।
2 ऑनलाइन कक्षाओं का सुचारू रूप से संचालन।

सर्वप्रथम प्रथम बिंदु पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। वर्तमान में छात्रों को रोजगार प्राप्त करने के लिए किसी ने किसी प्रतियोगी परीक्षा से गुजारना पड़ता है। प्रतियोगी परीक्षा पास करने के उपरान्त ही उसे रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं यथा- प्राध्यापक ग्रेड-1, शिक्षक भर्ती ग्रेड-2, शिक्षक भर्ती ग्रेड-3, नेट इत्यादि की तैयारी करवाने हेतु महाविद्यालय में विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाना आवश्यक है, जिससे छात्र उचित समय पर रोजगार प्राप्त कर सकें। इन कक्षाओं के सुव्यवस्थित संचालनार्थ समय-सारणी एवं पाठ्य सामग्री सहित सुनियोजित कार्ययोजना बनाने पर उपस्थित सभी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

तदुपरान्त द्वितीय बिन्दु पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करते हुए कोविड-19 जैसी विषमकालीन परिस्थितियों को भविष्य में भी ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन कक्षाओं के सुव्यवस्थित संचालन की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। ताकि विद्यार्थी निर्बाध रूप से अध्ययन कर सकें। इसके लिए सभी विभागों के प्राध्यापकों को अवगत कराया जाना आवश्यक होगा कि वे सभी ई शिक्षण सामग्री निर्माण हेतु नियमित रूप से कार्य करते रहें एवं सन्धारित ई शिक्षण सामग्री यथासमय IQAC समन्वयक को उपलब्ध करवाते रहे। इस बिंदु पर भी उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों ने एकमत से अपनी स्वीकृति प्रदान की।
इसके साथ ही IQAC समन्वयक, प्रो. शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपवेशन समाप्ति की घोषणा की।

इसके साथ ही IQAC समन्वयक, प्रो. शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपवेशन समाप्ति की घोषणा की।

प्रो.भास्करशर्मा
अध्यक्ष (प्राचार्य)
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

प्रो. शालिनी सक्सेना
IQAC, समन्वयक
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

IQAC समिति सदस्य

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर
IQAC कार्यकारिणी उपवेशन

दिनांक – 28.01.2022

आज दिनांक 28 जनवरी 2022 को दोपहर 1:00 बजे श्रीमान प्राचार्य जी के अध्यक्षता में IQAC कक्ष में आइ.क्यू.ए.सी. का उपवेशन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम विगत उपवेशन में विचारित एवं क्रियान्वित बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।
तदुपरान्त प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने आज के उपवेशन के एजेंडा को प्रस्तुत किया।

1. ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान।
2. शिक्षण में ICT का अत्यधिक मात्रा में उपयोग करना।

आज के इस उपवेशन का आरम्भ करते हुए सर्वप्रथम प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यद्यपि आज की इस मीटिंग का मुख्य एजेंडा है -शिक्षण को किस तरह से रुचिकर एवं प्रभावी बनाया जाए? आज के एजेंडा के दोनों बिन्दु मुख्य रूप से शिक्षण को प्रभावी एवं रुचिकर बनाने में ही एक दूसरे के पूरक हैं। शिक्षण के गूढ तत्वों एवं रहस्यों का छात्रों को ज्ञान कराने के उद्देश्य से यथासमय विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाया जाना आवश्यक होता है ।

अतः सभी विषयों के विभागाध्यक्ष अथवा प्राध्यापकों को कार्ययोजना बनाकर स्व-विषयक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान करवाए जाने चाहिए। साथ ही शिक्षण को अत्यधिक रुचिकर बनाने के लिए हमें अपने शिक्षण में सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी का अत्यधिक मात्रा में उपयोग किया जाना आवश्यक है। एतदर्थ प्राध्यापकों को कार्ययोजना बनाकर स्व-विषयक प्रति सप्ताह न्यूनतम दो कक्षाएं ई शिक्षण सामग्री अथवा पावर पॉइंट प्रोजेक्टर के माध्यम से लिया जाना आवश्यक है। जिससे छात्रों की शिक्षण में रुचि भी बढ़ेगी साथ ही नामांकन अभिवृद्धि में भी सहयोग प्राप्त होगा। उक्त दोनों बिन्दुओं पर उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

इसके साथ ही IQAC समन्वयक, प्रो. शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपवेशन समाप्ति की घोषणा की।

28/1/22

प्रो.भास्करशर्मा
अध्यक्ष (प्राचार्य)
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

प्रो. शालिनी सक्सेना
IQAC, समन्वयक
रा. म. आ. संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

IQAC समिति सदस्य